खबर संक्षेप

अमरपाटन में सड़कों पर सिलेंडर रख 'रंगबाजी' करने वालों की अब खैर नहीं!

सतना। शहर की यातायात व्यवस्था को खिलौना समझने और कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ प्रशासन ने अपनी तीखी तेवर दिखा दिए हैं। सतना रोड स्थित गैस एजेंसी के सामने बार-बार सड़क जाम कर आम जनता को बंधक बनाने वालों पर अब मैहर कलेक्टर विदिशा मुखर्जी की पैनी नजर पड़ गई है।

कलेक्टर के सख्त निर्देश,मौके पर पहुंचा अमला

पिछले कुछ दिनों से अपनी मनमानी पर उतारू कुछ लोगों द्वारा बीच सड़क पर सिलेंडर रखकर यातायात ठप करने की घटनाओं को कलेक्टर विदिशा मुखर्जी ने बेहद गंभीरता से लिया है। कलेक्टर के संज्ञान लेते ही प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया।

बिगड़ैल वितरण प्रणाली को सुधारने की कवायद

मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार आर.डी.साकेत और ब्रजेन्द्र जडिया तत्काल अमरपाटन थाने पहुंचे। यहाँ थाना प्रभारी विजय सिंह परस्ते के साथ घंटों चली मैराथन बैठक में कहा गया कि सड़कों पर सिलेंडर अड़ाकर अपनी 'धौंस' जमाने वालों और कानून को ठेंगा दिखाने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गैस एजेंसी के सामने लग रही बेतरतीब कतारों और अव्यवस्थित वितरण प्रणाली को दुरुस्त करने के लिए ठोस रणनीति तैयार की गई है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि विरोध के नाम पर आम राहगीरों को परेशान करना और नेशनल हाईवे की रफ्तार रोकना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अराजकता फैलाने वालों को अब कानून की भाषा में जवाब मिलेगा।

सतना स्मार्ट सिटी की बड़ी लापरवाही: खुले नाले में गिरे पिता-पुत्र, बाल-बाल बची जान

सतना। शहर के पुराना पावर हाउस चौक पर शुक्रवार को स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट की बड़ी लापरवाही सामने आई। यहाँ सड़क किनारे खुला पड़ा नाला राहगीरों के लिए काल बन गया,जिसमें एक पिता और उनका पुत्र अचानक गिर गए। गनीमत रही कि आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया,जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और दोनों की जान बाल-बाल बच गई। स्थानीय निवासियों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश है। लोगों का कहना है कि स्मार्ट सिटी के तहत होने वाले निर्माण कार्यों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है,जो आए दिन हादसों को न्यौता दे रही है।

व्यवस्था की 'किरकिरी' के बाद नींद से जागा प्रशासनः सुरांगी में मासूम की मौत ने खोली पोल

सतना। जब एक मासूम की सांसें कुपोषण की भेंट चढ़ गईं और चौतरफा आलोचनाओं ने प्रशासन के दावों की धज्जियां उड़ा दीं,तब कहीं जाकर सरकारी अमले की 'कुंभकर्णी नींद' खुली है। मझगवां विकास खंड के सुरांगी गांव में 4 माह की मासूम सुप्रांशी की मौत के बाद शुक्रवार सुबह स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त टीम ने गांव की गलियों में दस्तक दी। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सक्रियता सिर्फ डैमेज कंट्रोल है या वाकई तंत्र बच्चों की जान बचाने को लेकर गंभीर है?

सुबह 7 बजे की 'दौड़-धूप': खानापूर्ति या सुधार?

शुक्रवार को सुबह जब गांव के लोग जागे भी नहीं थे, तब अधिकारियों और कर्मचारियों की फौज सुरांगी,कामता और चित्रकूट की बस्तियों में पहुंच गई। बीएमओ डॉ.रूपेश सोनी और विभाग के सुपरवाइजरों ने घर-घर जाकर बच्चों का वजन नापा और सेहत जांची। विडंबना देखिए,जिस गांव में कुपोषण के कारण मातम पसरा हो,वहां प्रशासन अब जागरूक करने की बातें कर रहा है।

अमले में शामिल चेहरे-

स्वास्थ्य विभागः डॉ.रूपेश सोनी सीएमओ, पुष्पेंद्र गुप्ता सीएचओ, अनिल त्रिपाठी।
महिला बाल विकासः करुणा पांडेय (सुपरवाइजर), पूजा पांडेय (कार्यकर्ता)।

एनआरसी के प्रति अविश्वासः तंत्र की नाकामी

जांच के दौरान टीम ने प्रांशु,सूर्यांश और मोहिनी नाम के तीन बच्चों को गंभीर रूप से कुपोषित पाया, जिन्हें तत्काल पोषण पुनर्वास केंद्र भेजने की जरूरत थी। लेकिन यहां प्रशासन को अपनी साख की असली चुनौती का सामना करना पड़ा। कड़वी हकीकत यह है कि घंटों की समझाइश के बाद केवल एक बच्चे (सूर्यांश) के परिजन उसे भर्ती कराने को राजी हुए। दो अन्य परिवारों ने एनआरसी जाने से साफ इनकार कर दिया। यह इनकार केवल जिद नहीं,बल्कि सरकारी केंद्रों के प्रति आम जनता के अविश्वास और डर का प्रतीक है। क्या विभाग ने कभी यह जानने की कोशिश की कि गरीब मां-बाप अपने

बच्चों को सरकारी केंद्रों में भेजने से क्यों कतराते हैं? क्या वहां सुविधाओं और संवेदनशीलता का इतना अभाव है कि लोग घर में मौत को गले लगाना बेहतर समझते हैं?

कलेक्ट्रेट में समीक्षा का 'रस्म-अदायगी' दौर

एक तरफ गांव में अधिकारी मिन्नतें कर रहे थे,तो दूसरी तरफ कलेक्ट्रेट के ठंडे कमरों में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक चल रही थी। सीएमएचओ और डीपीओ की मौजूदगी में आंकड़ों की बाजीगरी हुई और निगरानी के निर्देश दिए गए।

तीखे सवाल जो जवाब मांगते हैं

जब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सुपरवाइजरों की फौज तैनात है,तो सुप्रांशी की मौत तक विभाग को खबर क्यों नहीं हुई? मझगवां जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में कुपोषण का ग्राफ गिरने के बजाय बढ़ क्यों रहा है? क्या प्रशासन केवल मौत होने के बाद ही 'जागरूकता अभियान' चलाने का आदि हो चुका है? सिर्फ भर्ती से नहीं,पेट भरने से मिटेगा कुपोषण प्रशासन का कहना है कि वे निगरानी कर रहे हैं,लेकिन हकीकत यह है कि कुपोषण फाइलों से नहीं,बल्कि धरातल पर पोषण और जवाबदेही से खत्म होगा। सुरांगी की घटना ने यह साबित कर दिया है कि कागजों पर चलने वाली योजनाएं मासूमों की जान बचाने में नाकाम हैं। यदि समय रहते इन बच्चों को सही पोषण और इलाज मिला होता,तो आज प्रशासन को 'किरकिरी' छिपाने के लिए गलियों में नहीं दौड़ना पड़ता।

कांग्रेस ने महिलाओं की आकांक्षाओं को ठेस पहुंचाने वाला काम किया हैः चतुर्वेदी

आज की नारी केवल मतदाता नहीं, बल्कि निर्णायक शक्ति बन चुकी हैः राधा

मैहर। जिला मैहर'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' संशोधन प्रस्ताव के संसद में पारित नहीं होने के विरोध में जिला भारतीय जनता पार्टी मैहर के द्वारा सिंधी गुरुद्वारा में 24 अप्रैल शुक्रवार को प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता को मध्यप्रदेश मैहर प्रभारी राज्यमंत्री श्रीमति राधा सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि यह विधेयक देश की आधी आबादी के सम्मान,अधिकार और राजनीतिक भागीदारी से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि संसद में जो हुआ,वह केवल एक प्रक्रिया नहीं,बल्कि महिलाओं की आकांक्षाओं को ठेस पहुंचाने वाला कदम है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि महिला विरोधी गठबंधन ने इस ऐतिहासिक अवसर को बाधित कर अपनी वास्तविक मानसिकता उजागर कर दी है। भाजपा सरकार ने महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी देने का जो संकल्प लिया है,वह किसी भी स्थिति में कमजोर नहीं पड़ेगा। भाजपा सरकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उज्ज्वला योजना,जन-धन खाते,मातृत्व सुरक्षा योजनाएं और तीन तलाक जैसे फैसलों ने महिलाओं के जीवन में वास्तविक बदलाव लाया है,जबकि विपक्ष केवल बयानबाजी तक सीमित रहा है। आज की नारी केवल मतदाता नहीं, बल्कि निर्णायक शक्ति बन चुकी है।

निकाली कई महिला जन आक्रोश यात्रा

जन आक्रोश यात्रा सिंधी धर्मशाला से मातृ शक्ति द्वारा विरोधाभास संदेश रैली काली पट्टी बांधते हुए घंटाघर चौक,कटरा बाजार,गल्ला मंडी,काली माता चौक,स्टेट बैंक,चंडी देवी मंदिर होते हुए सिंधी गुरुद्वारा पहुंची।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर गरमाई सियासत, भाजपा ने विपक्ष को घेरा

सतना। भाजपा जिला कार्यालय में शुक्रवार को राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान पूर्व महापौर श्रीमती ममता पांडे और जिला उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू सिंह सहित कई महिला पदाधिकारी उपस्थित रहीं। प्रेस कॉन्फ्रेंस का मुख्य केंद्र 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' और महिला आरक्षण को लेकर छिड़ी राजनीतिक जंग रही।

विपक्ष पर तीखे प्रहार

सांसद सुमित्रा बाल्मीकि ने प्रदेश मीडिया विभाग द्वारा जारी बिंदुओं के आधार पर कांग्रेस,टीएमसी और डीएमके जैसे विपक्षी दलों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की दिशा में उठाए गए ऐतिहासिक कदम को विपक्ष ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के कारण बाधित करने का प्रयास किया है। भाजपा ने विपक्ष की इस कार्यप्रणाली को महिलाओं के सम्मान के खिलाफ करार दिया। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का इतिहास हमेशा महिला अधिकारों के विरोध का रहा है,चाहे वह तीन तलाक का मुद्दा हो या अनुच्छेद 370।

परिसीमन पर स्पष्टीकरणः विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करते हुए स्पष्ट किया गया कि संविधान के अनुसार सीटों का पुनर्गठन जनगणना के बाद परिसीमन आयोग द्वारा ही किया जाएगा। 2026 तक का स्थगन केवल संतुलन बनाए रखने के लिए है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शौचालय निर्माण,बैंक खाते और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे कार्यों को महिला सशक्तिकरण का आधार बताया गया। यह मुद्दा अब केवल संसद की चारदीवारी तक सीमित नहीं है। देश की करोड़ों महिलाएं समझ चुकी हैं कि कौन उनके अधिकारों के लिए लड़ रहा है और कौन केवल राजनीति कर रहा है।

'पीएम सूर्य घर योजना' का आगाजः महापौर ने सोलर रथ को दिखाई हरी झंडी

सिटी एक्सीलरेटर प्रोग्राम के तहत घर-घर जाकर लोगों को सौर ऊर्जा के प्रति किया जाएगा जागरूक

सतना। शहर को स्वच्छ और हरित ऊर्जा से जोड़ने के लिए शुक्रवार को पुराना पावर हाउस में 'पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' के तहत सिटी एक्सीलरेटर प्रोग्राम का भव्य शुभारंभ किया गया। नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया और ईदम इंफ्रा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में रूफटॉप सोलर (छत पर सौर पैनल) को बढ़ावा देना और आम जनता को बिजली बिलों से मुक्ति दिलाना है।

सोलर रथ करेगा शहर का भ्रमण

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर योगेश ताम्रकार ने 'सोलर रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ शहर के विभिन्न वार्डों और मोहल्लों में घूम-घूमकर लोगों को सौर ऊर्जा के लाभ और सरकारी सब्सिडी के बारे में जानकारी देगा। महापौर ने अपने संबोधन में कहा कि यह योजना न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी है,बल्कि मध्यम वर्गीय

परिवारों के आर्थिक बोझ को भी कम करेगी। आयोजकों ने बताया कि इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है,जिसमें टोलियां बनाकर घर-घर जाकर योजना की जानकारी देना। कलात्मक माध्यम से सोलर पैनल के फायदों का प्रदर्शन। बच्चों के माध्यम से परिवारों को जागरूक करना। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता मृगेंद्र सिंह चंदेल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। साथ ही कुलदीप मिश्र,अवनीश पांडे,रामविनीत तिवारी, अजय दुबे और पूनम गुप्ता सहित विद्युत विभाग के अन्य अधिकारियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अधिकारियों ने बताया कि रूफटॉप सोलर अपनाने की प्रक्रिया को अब पहले से अधिक सरल और तेज कर दिया गया है। कार्यक्रम के अंत में मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों की मौजूदगी में आभार प्रदर्शन के साथ समापन हुआ।

भाजपा सरकार द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम मात्र छलावाः रमेश

मैहर। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मैहर रमेश प्रजापति ने पलटवार प्रत्युत्तर देते हुए कहा कि सरकार की नीयत साफ होती तो वह इस कानून को बिना किसी शर्त के तुरंत लागू करती। कांग्रेस का मानना है कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए केवल आरक्षण ही पर्याप्त नहीं है, उन्हें शिक्षा,स्वास्थ्य,सुरक्षा और आर्थिक अवसर भी मिलने चाहिए। लोकसभा की 543 सीटों पर महिलाओं को आरक्षण क्यों नहीं दे रहे नरेंद्र मोदी? वह महिलाओं का यह अधिकार क्यों छीन रहे हैं? कांग्रेस का आरोप है कि सरकार महिला आरक्षण को लागू करने में अनावश्यक देरी कर रही है और इसे जनगणना और परिसीमन जैसी प्रक्रियाओं से जोड़ दिया गया है,जिससे महिलाओं को उनके अधिकारों से दूर रखा जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर है। कही यह चुनाव का हथकंडा तो नहीं। वास्तव में भाजपा के पास जनता जनार्दन के पास जाने का कोई विशेष मुद्दा ही नहीं बचा है इसलिए वह केवल भ्रम और छल की राजनीति कर रही है। किंतु यह पब्लिक है सब जानती है अजी अंदर क्या है बाहर क्या है यह पब्लिक है सब जानती है आने वाले समय में भाजपा बेनकाब हो जाएगी। कांग्रेस पार्टी सदा से महिला नारी शक्ति के हितार्थ कार्य करती आ रही है। देश की हर नारी का सम्मान कांग्रेस हृदय से करती है किंतु भाजपा सरकार की छलावा दोहरीकरण की राजनीति का सदा विरोध करती है।

प्रभारी मंत्री राधा सिंह के मैहर आगमन पर कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने की शिष्टाचार भेंट

मैहर। प्रभारी मंत्री राधा सिंह के मैहर पहुंचने पर कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने उनसे मुलाकात कर जिले के समग्र विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की। यह उनकी पहली औपचारिक भेंट रही,जिसमें जिले में चल रहे विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और आगामी परियोजनाओं पर विशेष फोकस किया गया। कलेक्टर ने प्रभारी मंत्री को जिले में शिक्षा,स्वास्थ्य,आधारभूत संरचना,पेयजल व्यवस्था और ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों की जानकारी दी।

अवारा पशु को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर फिसली बाइक, युवक-युवती घायल

सतना। नेशनल हाईवे-30 पर ग्राम मौहारी कटरा के पास शुक्रवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार,तेज रफ्तार मोटरसाइकिल के सामने अचानक एक आवारा पशु आ गया, जिसे बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर हाईवे पर फिसल गई। इस हादसे में बाइक सवार एक युवक और युवती गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से हाईवे एम्बुलेंस को सूचना दी गई। मौके पर पहुँची एम्बुलेंस की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल अमरपाटन में भर्ती कराया गया है,जहाँ उनका इलाज जारी है।

हरनामपुर मंडी में कलेक्टर का औचक निरीक्षण

लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

मैहर। कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने शुक्रवार को हरनामपुर मंडी स्थित उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राज्य शासन के निर्देशानुसार 17 अप्रैल से गेहूं खरीदी शुरू होने के बावजूद केंद्र में न तो गेहूं की आवक पाई गई और न ही उठाव की व्यवस्था दुरुस्त मिली। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए जिला प्रबंधक नान पंकज बोरसे एवं मंडी सचिव को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही उन्होंने दोनों अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि उपार्जन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और व्यवस्था को तत्काल सुधारने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

बच्ची को डांटने से मना करने पर पति ने पत्नी को पत्थर मारकर किया घायल

अमानगंज। ग्राम कुदरा झरकुआ में घरेलू विवाद के चलते एक पति ने अपनी पत्नी पर पत्थर से हमला कर उसे घायल कर दिया। पीड़िता (30 वर्ष) ने थाना अमानगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई कि शुक्रवार सुबह जब उसने अपने पति जगतलाल अहिरवार को अपनी बेटी नेहा को बेवजह डांटने से मना किया, तो पति गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने पत्थर मारकर पत्नी के हाथ और पीठ में चोट पहुंचाई और जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 296 बी, 115(2) और 351(3) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खरीदी केंद्र संचालित न किए जाने पर किसानों ने किया विरोध प्रदर्शन

पन्ना। जिले की पन्ना तहसील अंतर्गत पहाड़ीखेड़ा बृजपुर रोड पर सैकड़ो किसानों ने तिलगवा मोड पर जाम लगा दिया। जाम लगाने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सोपा है जिसमें उल्लेख किया गया है की समय अवधि में किसानों की तुलाई एवं केंद्र संचालित नहीं हो रहे है जिससे हम किसानों के अनाज की तुलाई नहीं हो पा रही है एवं ग्रेडिंग के नाम पर अवैध वसूली बंद की जाए हैं। शासन के मापदंड के अनुसार उचित माध्यम से तोलाई कराई जाए है। किसानों ने बताया कि गेहूं विक्रय के लिए जो स्लॉट बुक किए गए थे उनमें फसल सत्यापित नहीं होने के कारण स्लॉट बुक नहीं हो रहे है तथा खरीदी केंद्र बढ़ाए जाने एवं लक्ष्मीपुर, अहिरगवां,जरुआपुर, केंद्र जो सभी बंद पड़े हैं तत्काल प्रारंभ कराए जाए किसानों ने खरीदी केंद्र को चालू किए जाने एवं किसानों के अनाज को समय सीमा पर खरीदी की जाए रोड पर बैठे हुए किसानो के बीच जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनीश खान ने पीड़ित किसानों के बीच सम्मिलित होकर उनकी पीड़ा जानने की कोशिश की एवं शासन प्रशासन से किसानों की हर संभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि समय सीमा अवधि में दो दिवस के अंदर तुलाई चालू नहीं की गई तो उग्र आंदोलन होगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी उक्त आंदोलन में सैकड़ो किसान तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर उपस्थित रहे।

कांग्रेस की नारी विरोधी छवि देश के सामने उजागर, प्रतिमा बागरी

पन्ना। मध्य प्रदेश शासन की नगरीय एवं विकास एवं आवास मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कांग्रेस और विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के मुद्दे पर उनकी वास्तविक मानसिकता देश के सामने उजागर हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने एक बार फिर महिलाओं के अधिकारों और उनके सम्मान के प्रति अपनी नकारात्मक सोच को साबित किया है। आयोजित पत्रकार वार्ता में श्री मती बागरी ने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष ने महिला आरक्षण जैसे ऐतिहासिक बिल को लेकर हमेशा राजनीति की है। जब-जब महिलाओं को सशक्त बनाने की बात आई, तब-तब कांग्रेस ने या तो इसे टालने का प्रयास किया या फिर बाधाएं खड़ी कीं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश की आधी आबादी के अधिकारों को लेकर भी कांग्रेस गंभीर नहीं रही। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि महिलाओं के प्रति उनके द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली भाषा और व्यवहार न केवल आपत्तिजनक है, बल्कि भारतीय संस्कृति के मूल्यों के भी खिलाफ है। उन्होंने कहा कि भारत में नारी को शक्ति, सम्मान और संस्कार का प्रतीक माना जाता है, लेकिन कांग्रेस की सोच इसके विपरीत दिखाई देती है। श्री बागरी ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई ऐतिहासिक और निर्णायक कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने तीन तलाक जैसी कुप्रथा को समाप्त किया, जिससे मुस्लिम महिलाओं को न्याय मिला। इसके साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के तहत हर घर में शौचालय निर्माण, जनधन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और आयुष्मान भारत योजना के जरिए स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं।

2 दिवस के भीतर 2 आरोपी गिरफ्तार, ट्रक सहित 140 बोरा अनाज बरामद

अनाज से भरे ट्रक चोरी का सनसनीखेज खुलासा

पन्ना। पन्ना पुलिस द्वारा थाना गुनौर क्षेत्र में ट्रक चोरी के प्रकरण का त्वरित एवं प्रभावी खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गया ट्रक एवं 140 बोरा अनाज बरामद करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है। दिनांक 20.04.2026 को फरियादी प्रशांत अवधिया पिता लोटल लाल अवधिया, उम्र 38 वर्ष, निवासी गुनौर द्वारा थाना गुनौर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह ट्रांसपोर्ट का कार्य करता है। दिनांक 19.04.2026 की रात्रि लगभग 11:00 बजे उसने अपना टाटा 407 मिनी ट्रक अनाज (दाल-कचरी) से लोड कर अहिंसा चौक, गुनौर में खड़ा किया था। अगली सुबह लगभग 5:00 बजे जब ड्राइवर ट्रक को कटनी ले जाने पहुंचा, तो वाहन मौके से गायब मिला। आसपास तलाश करने पर कोई सुराग नहीं मिलने से यह स्पष्ट हुआ कि अज्ञात आरोपियों द्वारा ट्रक चोरी कर लिया गया है। उक्त रिपोर्ट पर थाना गुनौर में अपराध क्रमांक 104/26, धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री वंदना चौहान एवं एसडीपीओ गुनौर श्री राजीव भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गुनौर त्रिवेन्द्र त्रिवेदी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया, आसपास के क्षेत्रों एवं पड़ोसी जिलों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। इसी दौरान विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि जिला सतना के ऊँचेहरा क्षेत्र में दो संदिग्ध व्यक्ति चोरी के ट्रक में लदे अनाज को बेचने के प्रयास में हैं। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा बरौली चौराहा, ऊँचेहरा के पास घेराबंदी कर दिनांक 24.04.2026 की रात्रि में आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से चोरी गया टाटा 407 मिनी ट्रक एवं 140 बोरा अनाज बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा अपराध स्वीकार किया गया। आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

गिरफ्तार आरोपी-

01. अनुज/वीरू रघुवंशी, उम्र 25 वर्ष, निवासी देवेंद्रनगर
02. रफीक उल्ला खान, उम्र 23 वर्ष, निवासी पहाड़ कोठी, पन्ना

जप्त सामग्री-

01. टाटा 407 मिनी ट्रक (क्रमांक डच 0र्4 2392) कीमत लगभग 5,00,000
02. अनाज 140 बोरा (लगभग 70 क्विंटल) कीमत लगभग 1,65,000

कुल जप्त मशरूका- लगभग 6,65,000

सराहनीय योगदान-

उक्त कार्यवाही में उपनिरीक्षक अंकित मिश्रा, थाना प्रभारी अमानगंज रवि जादौन, प्रधान आरक्षक मनीष कश्यप, प्रधान आरक्षक शिवम शर्मा, आरक्षक नीलेश रैकवार एवं सायबर सेल पन्ना की सराहनीय भूमिका रही।

विशेष उल्लेख-

आरोपी अनुज/वीरू रघुवंशी के विरुद्ध पन्ना जिले के विभिन्न थानों में चोरी सहित अन्य अपराधों के लगभग 20 प्रकरण पूर्व से दर्ज हैं।

श्रीमद्भागवत कथा सुनने की कहानी नहीं जीवन में चलने का मार्ग है, कथा सुनने उमड़ा जन सैलाब

पन्ना। शहर के वार्ड नंबर 24 स्थित गहरा निरपत सागर कॉलोनी में इन दिनों भक्ति की अविरल धारा बह रही है। यहाँ आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन गुरुवार, 23 अप्रैल को बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण करने पहुँचे। कार्यक्रम के मुख्य यजमान निरंजन लखेरा एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अभिलाषा लखेरा द्वारा सपरिवार भागवत भगवान की आरती और पूजन कर दूसरे दिन की कथा का शुभारंभ किया गया।

व्यासपीठ से बही ज्ञान गंगा-

कथा व्यास श्री कमल महाराज (रंजोरपुरा) ने अपने मुखारबिंद से कथा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भागवत कथा केवल सुनने की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन में उतारने का मार्ग है।

बाइक अनियंत्रित होकर फिसली 22 वर्षीय युवक हुआ घायल

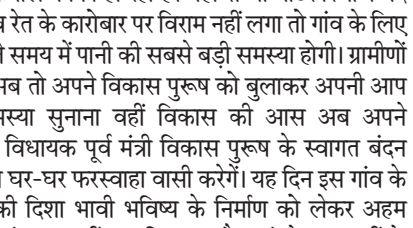

पन्ना। थाना क्षेत्र अंतर्गत 22 वर्षीय युवक बाइक के फिसलने से घायल हो गया जिसके बाद राहगीरों की मदद से अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज किया गया घटना की जानकारी देते हुए ग्राम पगरी निवासी सोहन सिंह ने बताया कि युवक का नाम कप्तान सिंह है वह बाइक पर सवार होकर जा रहा था तभी अचानक बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई जिसके चलते युवक के सिर पर गंभीर चोट पहुंची और वह बुरी तरह घायल हो गया। युवक के सिर पर चोट पहुंची है घटना के बाद युवक का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहनगर में जारी है।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर ग्राम पंचायत नारायणपुर के सरपंच रामगोपाल हुए को सम्मानित

अजयगढ़

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर जिला पंचायत परिसर में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में ग्राम पंचायतो के द्वारा शासकीय योजनाओ का उत्कृष्ट क्रियान्वयन को लेकर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान ग्राम नारायणपुर के सरपंच रामगोपाल उर्फ मुन्ना लोध, ग्राम पंचायत धरमपुर के सरपंच प्रबल प्रताप सिंह, ग्राम पंचायत बिलाही के सरपंच मुलायम सिंह, ग्राम पंचायत बहिरवारा सरपंच रजमन लोध, जैतूपुर सरपंच अरविंद पटेल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मीना राजे,मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी, जिला पंचायत `जयक्ष संतोष यादव एवं जिला परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान जनपद पंचायत अजयगढ़ की ग्राम पंचायत नारायणपुर सरपंच रामगोपाल और मुन्ना भैया लोधी को विभिन्न शासकीय योजनाओं के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान पंचायत द्वारा विकास कार्यों में किए गए सराहनीय प्रयासों और प्रभावी कार्यान्वयन का प्रतीक है। इस उपलब्धि पर पंचायत प्रतिनिधियों ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए पंचायत निरंतर बेहतर परिणाम प्रस्तुत करती रहेगी।

दिन रविवार खुलेगें ग्राम के विकास के द्वार

विकास पुरूष पूर्व मंत्री पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह का ग्राम फरस्वाहा में होगा घर-घर स्वागत वंदन अभिनंदन

पन्ना। जिले की अजयगढ़ जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत फरस्वाहा जहां लगभग 70 प्रतिशत आबादी ब्राम्हण परिवारों कह सकते है। वहीं शेष 30 प्रतिशत आबादी में केवट, पाल तथा अहिरवार, बसोर, सुनार, एक परिवार मुस्लिम समुदाय का साहू, धोबी, इन जातियों की आबादी ग्राम फरस्वाहा में है। जो पंचायत मुख्यालय भी है। केन नदी के किनार यह ग्राम अपनी प्राचीन सभ्यता संस्कृति को समेटे विकास की उम्मीदों के साथ सभी ग्रामीणों ने मिलकर तय किया जिन्हें विकास के नाम से जाना जाता है।

उन्हीं से विश्वास अब इस समय तय यह ग्राम सीधा लक्ष्य एवं सम्मान के जिस पर भरोसा मानते उनके लिए अपनी स्वयं की श्रृद्धा के साथ सदैव तत्पर रहते है। सभी ग्रामवासियों ने मिलकर तय किया अपने गांव की विकास की ओर ले चलने के लिए अपने विधायक जो विकास पुरूष की उपाधी के नाम से जाने जाते है। ग्राम में बुलाकर घर-घर स्वागत बंदन अभिनंदन अपने लोकप्रिय विधायक का सम्मान करते हुए गांव को समय के साथ जो विकास की प्रमुख जरूरते अपनी देवी-देवताओं के स्थानों के पूजा-अर्चन करते हुए आस्था व विश्वास के साथ गांव

की सड़के जो विकास का प्रमुख आधार होती वहीं सिद्धस्थल सिद्धबाबा जो इस पंचायत या गांव की आस्था के भगवान प्राचीन समय से भरोसे को समेटे हुए है। जिन पर बाल वृद्ध नारी सभी सुख की उम्मीदों को लेकर तथा दुख के समय भरोसा मानते है। ऐसे सिद्धबाबा के स्थान में प्रकाश की दिशा विकास की प्रमुख जरूरत सड़क एवं विद्युत की व्यवस्था ट्रांसफार्मर को लेकर जो बाट जोख रही है। सायद अब विकास पुरूष जो स्वयं ही विकास की सोच को जाने जाते है। वहीं इस सिद्ध स्थल को प्रकाश की दिशा व मार्ग प्रशस्त करेगें। सिद्धनाथ स्थल के विकास के बाद गांव के विकास का प्रमुख मार्ग पटाही मजरा होते हुए गांव तक मुख्य सड़क से जरूरत बनी हुई है। क्योंकि यह मार्ग गांव के साथ-साथ अपनी जनता जर्नादन के व्यक्तियों के विकास का आधार मानी जा रही है। वहीं यह गांव केन नदी के किनारे बसा है। पर जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा के चलते प्राचीन समय का हर दिन का जहां लोग केन नदी में स्नान करने जो जाते थे वहीं नदी के किनारे नदी के ऊपर प्राचीन समय से भगवान भोलेनाथ शंकर जी की प्रतिमा में जल चढ़ाकर घर आते थे। बट विशाल बरगद के नीचे अब बैठे भगवान शिव की प्रतिमा में अब जल चढ़ाना बंद है। उसका प्रमुख कारण मार्ग कच्चा रास्ता कट चुका था। यही मार्ग जीवन के अंतिम संस्कार को लेकर भी जाना जाता है। क्योंकि केन नदी के किनारे ही इस गांव में अंतिम संस्कार सभी के होते है। और भगवान भोलेनाथ के स्थान में बरगद के नीचे सुद्धता के बाल सभी के बनते थे। जो मार्ग क्षतिग्रस्त हो जाने के बाद अब हर वर्ग की समस्या है। वह भी जब जिंदगी का सबसे बड़ा दुख होता है रामनाम सत्य है याद आता पर यह मार्ग जो अव्J हुआ हमारी केन नदी तक इसके निर्माण को लेकर बस आप पर भरोसा जिस केन नदी से हर वर्ष रेत का व्यापार अपार खनिज सम्पदा हमारे यहां से बाहरी लोग हर वर्ष लाभ का कारोबार करते है। कम से कम अंतिम समय को ध्यान में रखते हुए अंतिम संस्कार के मार्ग का निर्माण खनिज मद से स्थाई सीसी सड़क नाली, पुलिया बनाके सभी की प्रमुख जरूरत पूरी हो। जिस नदी से 30 या 40 फुट गहराई से रेत निकालकर वाटर लेबिल प्रतिवर्ष घटाया जा रहा है। वहीं कैनाल पक्की हो रही है। वहां से भी वाटर रिचार्ज बंद होगा। अब रेत के कारोबार पर विराम नहीं लगा तो गांव के लिए आने वाले समय में पानी की सबसे बड़ी समस्या होगी। ग्रामीणों ने ठाना अब तो अपने विकास पुरूष को बुलाकर अपनी आप बीती समस्या सुनाना वहीं विकास की आस अब अपने लोकप्रिय विधायक पूर्व मंत्री विकास पुरूष के स्वागत बंदन अभिनंदन घर-घर फरस्वाहा वासी करेगें। यह दिन इस गांव के विकास की दिशा भावी भविष्य के निर्माण को लेकर अहम क्योंकि यहां कक्षा 8वीं तक विद्यालय है जहां से कक्षा 8वीं के बाद छात्राओं को कम से चार किलोमीटर दूरी सिलौना हाई स्कूल जाना पड़ता है। जिससे छात्रायें शिक्षा से वंचित हो रही है। खासकर जो दो परिवारों का भविष्य तय करती है। इन्हीं प्रमुख समस्याओं के निदान को लेकर सभी ग्रामीणों ने घर-घर स्वागत बंदन अभिनंदन दिन रविवार खोलेगा ग्राम के विकास के द्वार।

पन्ना में अनूठी परंपरा- वैशाख शुक्ल अष्टमी पर बाईजूराज महारानी जी मंदिर में श्रद्धालुओं को मिलता है शरबत प्रसाद

निर्जला व्रत, विरह भजन और सदियों पुरानी परंपरा के साथ मनाया गया अन्तर्धान दिवस

पन्ना।

निजानंद संप्रदाय के प्रमुख स्थल श्री पांच पद्मावती पुरी धाम के धाम मोहल्ला स्थित श्री बाईजूराज महारानी जी मंदिर में वैशाख शुक्ल अष्टमी को अन्तर्धान दिवस श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालु निर्जला व्रत रखकर श्री श्यामाजी महारानी जी की पूजा-अर्चना करते हैं।

परंपरा और आस्था-

सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार, शक्कर और काली मिर्च से बना विशेष शरबत श्री श्यामाजी को भोग लगाकर श्रद्धालुओं में प्रसाद स्वरूप वितरित किया जाता है। श्रद्धालु अपनी इच्छा अनुसार इस शरबत का सेवन कर व्रत पूर्ण करते हैं।

श्रद्धालुओं की व्यापक भागीदारी-

इस धार्मिक आयोजन में सदियों से चली आ रही परंपरा के तहत श्री 108 प्राणनाथ जी मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी व ट्रस्टी, मंदिर के पुजारी, विद्वान-विदुषी, धामी समाज के लोगकृजिनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हैंकृबड़ी संख्या में उपस्थित रहते हैं। इसके अलावा निजानंद संप्रदाय के अनुयायी देश के विभिन्न राज्यों से पन्ना पहुंचकर इस पावन दिवस में भाग लेते हैं और आस्था का परिचय देते हैं।

भक्ति और भजन का माहौल-

मंदिर में करुण रस से ओतप्रोत विरह भजनों का गायन किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु श्यामा जी की कृपा का स्मरण करते हुए भाव-विभोर नजर आए।

देवरी गढ़ी में 55 लाख की स्वास्थ्य केंद्र बिल्डिंग पर घोटाले की गूंज, जांच से बचते जिम्मेदार, क्या सीएमएचओ पन्ना पर दबाव?

पन्ना।

जनपद पंचायत पन्ना अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी गढ़ी में करीब 55 लाख रुपये की लागत से बन रही उप स्वास्थ्य केंद्र भवन अब भ्रष्टाचार, लापरवाही और प्रशासनिक निष्क्रियता का बड़ा उदाहरण बनती जा रही है। निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों ने पूरे मामले को संदेह के घेरे में ला खड़ा किया है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में जमकर अनियमितताएं की गई हैं। दीवारों में डस्ट का इस्तेमाल, घटिया और कमजोर ईंटें, तथा नाले की रेत और मिट्टी युक्त सामग्री का उपयोग कर भवन की नींव तक से समझौता किया गया है। ऐसे में यह भवन भविष्य में किसी बड़े हादसे को न्योता देता नजर आ रहा है। हैरानी की बात यह है कि लगातार शिकायतों, वीडियो साक्ष्यों और निर्माण कार्य के लगभग पूर्ण हो जाने के बावजूद अब तक कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर जांच के लिए नहीं पहुंचा। इससे न केवल प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं, बल्कि पूरे मामले में मिलीभगत की आशंका भी गहराती जा रही है। सबसे बड़ा सवाल सीएमएचओ पन्ना की भूमिका को लेकर खड़ा हो रहा है। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा तेज है कि आखिर जांच क्यों नहीं करवाई जा रही? क्या निर्माण कार्य की जांच करने वाले अधिकारी कार्रवाई करने में सक्षम नहीं हैं, या फिर किसी राजनीतिक दबाव के चलते जानबूझकर जांच को टाला जा रहा है? जिस तरह से पूरा मामला दबा हुआ नजर आ रहा है, उससे संदेह और गहरा हो गया है कि कहीं इस पूरे निर्माण कार्य में बड़े स्तर पर खेल तो नहीं हुआ। ग्रामीणों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई और भवन को गुणवत्तापूर्ण तरीके से पुनः नहीं बनाया गया, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। अब देखना यह होगा कि प्रशासन जनता की सुरक्षा और विश्वास को प्राथमिकता देता है या फिर राजनीतिक दबाव और भ्रष्टाचार के आगे घुटने टेककर इस गंभीर मामले को भी ठंडे बस्ते में डाल देता है।

निर्माण कार्य पर तीखे सवाल-

क्या 55 लाख रुपये की परियोजना में यही स्तर की सामग्री इस्तेमाल होना तय था? क्या निर्माण कार्य की कोई तकनीकी जांच या गुणवत्ता परीक्षण हुआ भी है या सिर्फ कागजी खानापूर्ति की गई? क्या संबंधित इंजीनियर और सुपरवाइजिंग अधिकारी ने कभी मौके पर जाकर काम की निगरानी की? अगर निगरानी हुई, तो इतनी बड़ी खामियां कैसे नजर नहीं आईं? क्या ठेकेदार को जानबूझकर खुली छूट दी गई थी? क्या मापदंडों और क्व्ट (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) का पालन किया गया या सिर्फ औपचारिकता निभाई गई?निर्माण के दौरान इस्तेमाल की गई सामग्री का कोई रिकॉर्ड, सैंपल टेस्ट या लैब रिपोर्ट मौजूद है? जब भवन 90 प्रतिशत तक बन गया, तब तक किसी ने गुणवत्ता पर सवाल क्यों नहीं उठाए? क्या भुगतान भी बिना गुणवत्ता जांच के जारी कर दिया गया? अगर यह भवन भविष्य में हादसे का कारण बनता है, तो जिम्मेदार कौन होगा कृ ठेकेदार, इंजीनियर या पूरा विभाग? इन सवालों ने साफ कर दिया है कि मामला सिर्फ लापरवाही का नहीं, बल्कि निर्माण प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ियों का हो सकता है। ग्रामीणों की मांग है कि पूरे निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराई जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। अब यह देखना होगा कि प्रशासन इन सवालों के जवाब देता है या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा।

कल प्रत्येक कार्यकर्ता सुनेगा मन की बात

मंडल अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन पन्ना अंतर्गत मंडल संगठन

अमानगंज। स्थानीय विश्राम अमानगंज में मन की बात आयोजन को बैठक आयोजित की गई बैठक के प्रभारी भारतीय जनता पार्टी जिला कोषाध्यक्ष दशरथ गुप्ता जी रहे बैठक में बताया गया कि यह आयोजन सामूहिक रूप से हर पोलिंग बूथ पर आयोजित हो और संगठन के पार्टी कार्यकर्ता अपना अपना फोटो निर्धारित समय पर मंडल संगठन को उपलब्ध कारण बैठक का संचालन मंडल संगठन की उपाध्यक्ष अमित द्विवेदी जी द्वारा किया गया आपकी आभार अरविंद जी दुबे द्वारा किया गया बैठक को मुख्य रूप से रामहोरी जी राजपूत मंडल संगठन के उपाध्यक्ष आनंद सिंह जी राजपूत मीडिया प्रभारी प्रेम नारायण शर्मा राजेंद्र सिंह विवेक भटनागर पंकज परोहा ओंकार तिवारी विजय सक्सेना राम सजीवन सोनी सहित पार्टी संगठन के विभिन्न नेता उपस्थित रहे इस मौके पर बैठक के प्रभारी दशरथ जी गुप्ता के अनुसार बैठक में लगातार अनुपस्थित चल रहे पदाधिकारीयो के विरुद्ध नोटिस की कार्यवाही भी प्रस्ताव में लाई गई जिसका सभी समर्थन करते हुए यह प्रक्रिया बढ़ाने की बात कही ताकि संगठन की बैठकों में लगातार गायब चल रहे पदाधिकारी समय से पार्टी सेवा मे पहुंचे।

नल जल योजना ठप, पानी की टंकी बनी शोपीस, ढाई किलोमीटर दूर से पानी भरने को मजबूर ग्रामीण

अमानगंज। पन्ना जिले के अमानगंज तहसील अंतर्गत आने वाले कमताना ग्राम मे नल जल योजना के तहत बनी पानी की टंकी शोपीश बनकर रह गई है पानी की टंकी की सप्लाई बंद होने के कारण लोगों को नहीं मिल पा रहा पानी जिससे ग्राम बासियो को भीसड़ गर्मी में मीठे पानी के लिए ढाई क्लोमीटर दूर से पानी लाना पड़ रहा है जिससे लोगों को भारी परेशानी एवं रोजाना के कामकाज में परेशानी होती है पूर्व में ठेकेदार द्वारा पाईप लाईन डालते समय ट्रायल के लिए कभी कभी सप्लाई चालू की गई लेकिन अभी पूरी तरह योजना ठप है अब देखना यह होगा की आखिर कब जिम्मेदारो का ध्यान इस ओर आकर्षित होता है ताकि ग्रामीणों को इस योजना का लाभ मिल सके और लोगो के घरों तक पानी पहुंच सके।

खबर संक्षेप

निकायों की पेयजल परियोजनाओं में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करें : कलेक्टर

छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी (एमपीयूडीसी) के अंतर्गत संचालित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में प्रोजेक्ट मैनेजर पी.डी. तिवारी, सहायक परियोजना प्रबंधक हिमांशु अग्रवाल, पी.आई.यू के उपयंत्री, संविदाकारों के प्रतिनिधि एवं सलाहकार संस्था के इंजीनियर उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर जैसवाल ने जिले के विभिन्न नगरीय निकायों- बड़ामलहरा, गढ़ीमलहरा, महाराजपुर, बारीगढ़, चंदला, हरपालपुर, घुवारा, सटई, बिजावर, खजुराहो एवं राजनगर में संचालित जल प्रदाय योजनाओं एवं सीवरेज परियोजनाओं की भौतिक प्रगति की गहन समीक्षा की। इस दौरान इंटेक वेल, ओवरहेड टैंक (ओएचटी), वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) सहित अन्य महत्वपूर्ण घटकों की स्थिति का आकलन किया गया।

कलेक्टर ने गढ़ीमलहरा, महाराजपुर, चंदला एवं बारीगढ़ में कार्यों की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए आईईएल गुडग़ांव के संविदाकार के विरुद्ध ब्लैक लिस्टिंग एवं संविदा समाप्ति का प्रस्ताव नगरीय प्रशासन को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर परिषद हरपालपुर की पेयजल योजना को प्राथमिकता देते हुए मई के प्रथम सप्ताह से शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नगर परिषद घुवारा की जलप्रदाय योजना के शेष कार्य 15 मई तक पूर्ण कर ट्रायल रन स्थानीय जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रारंभ करने को कहा। अन्य नगरीय निकायों में प्रगतिरत योजनाओं की गति बढ़ाने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने खजुराहो एवं राजनगर की सीवरेज योजनाओं के स्ट्रक्चर वर्क में तेजी लाने पर भी विशेष जोर दिया।

चुनावी रंजिश में बीएलओ के साथ मारपीट करने वाले आरोपी को 5 साल की जेल

छतरपुर। स्थानीय न्यायालय ने करीब 17 साल पुराने एक मारपीट और रंगदारी के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी सदाफल को दोषी करार दिया है। माननीय न्यायालय ने आरोपी को धारा 329 भा.दं.वि. के तहत 5 वर्ष के सश्रम कारावास और 500 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। घटना 13 अगस्त 2009 की शाम करीब 7 बजे की है। पीड़ित पैश्वनीदीन, जो उस समय बीएलओ के रूप में कार्यरत थे, हाई स्कूल के सामने मुख्य मार्ग बदोराकला से गुजर रहे थे। तभी आरोपियों ने उन्हें रास्ते में रोककर जातिसूचक और अभद्र गालियां दीं। आरोपियों का कहना था कि पैश्वनीदीन वोटर लिस्ट में उनके नाम नहीं जोड़ रहा है। इस दौरान आरोपियों ने शराब और मुर्गे के लिए 1000 रुपये की मांग की। जब पीड़ित ने पैसे देने से मना किया, तो आरोपी स्वामीदीन ने लोहे के फावड़े से और अन्य आरोपियों सदाफल, भुक्कड़ और हल्काईयां ने लाठियों से उन पर जानलेवा हमला कर दिया।

मां की पुलिस से गुहार बेअसर : 4 दिन पहले अगवा युवक का शव कुएं में मिला, मोबाइल चोरी के शक ने ली जान?

बमीठा पुलिस की लापरवाही? देर से दर्ज हुई गुमशुदगी, कुएं में मिला शव, हत्या की आशंका

छतरपुर। जिले क़े थाना बमीठा के अंतर्गत ग्राम धमना में मोबाईल चोरी के शक पर अगवा किए गए युवक की चौथे दिन लाश गांव के एक किसान के कुएं में तैरता मिला। परिजनों ने युवक की हत्या किये जाने की आशंका कि है। 4 दिन पहले मृतक की मां तुलसिया ने बमीठा पुलिस को सूचना दी थी कि उसका पुत्र महेश अहिरवार 21 अप्रैल को गांव के ही हरदयाल अहिरवार की दुकान पर पेप्सी लेने गया था। लेकिन इसी दौरान हर दयाल का मोबाईल चोरी हो गया और उसे महेश अहिरवार पर मोबाईल चोरी का शक हुआ और हरदयाल अहिरवार और उसके साथ गांव के कालीचरण, भगवानदास, रज्जू, मज्जू, लक्ष्मी अहिरवार ने मारपीट की। तथा महेश को रज्जू और उसका रिश्तेदार मोटर साईकिल में बैठाकर ले गए लेकिन महेश के साथ जीतेन्द्र और रबि अहिरवार भी थे जो किसी तरह छूट कर भाग आए और उन्हीं के द्वारा मृतक की मां को सूचना दी गई। तभी से महेश अहिरवार का पता नहीं चल रहा था। मृतक महेश अहिरवार की मां तुलसिया ने बमीठा थाने में पुत्र के गायब होने और उक्त लोगों द्वारा गायब करने की सूचना दी गई थी लेकिन बमीठा पुलिस ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

पुलिस की लापरवाही का नतीजा यह निकला की एक मां का बेटा छिन गया। हालांकि पुलिस ने 23 अप्रैल को महेश अहिरवार

की गुमशुदगी का मामला दर्ज किया था और 24 अप्रैल को धमना निवासी राजा भैया के कुआं में मृतक का शव पाया गया मृतक की मां पहले से ही आशंका जता रही थी कि उक्त लोग उसके पुत्र को अगवा करके ले गए, कहीं उसके पुत्र के साथ अनहोनी ना घट जाए। जैसे ही बमीठा पुलिस को जानकारी मिली की राजा भैया पाठक के कुएं में एक शव पड़ा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कुएं से निकलवाया और शव की पहचान लापता महेश अहिरवार के रूप में हुई। इस घटना के बाद से ही गांव में दहशत का माहौल है और पूरा परिवार शोक में डूबा हुआ है। बमीठा पुलिस द्वारा घटना स्थल की जांच के लिए डॉग स्काट और एफएसएल की टीम को बुलाया गया। जिसमें घटना की विस्तृत जांच की वहीं बमीठा पुलिस ने 5 लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे पुछताछ कर रहीं है।

जैसे ही महेश अहिरवार के परिजनों को जानकारी लगी तो उसकी बुढ़ी मां और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे। मां ने जैसे ही अपने बेटे की लाश देखी तो वह दहाड़ मार कर रोने लगी। वहीं मां ने पुलिस पर इस मामले में लापरवाही के आरोप लगाए और उसका कहना था कि उसके बेटे की हत्या करके कुएं मे फेंका गया है।

इनका कहना है -

मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया है कल तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त करने का प्रयास करेंगे, मामला कुछ संदिग्ध लग रहा है। कुछ लोगों के नाम सामने आए भी है जिन्हें पूछतांछ के लिए थाने बुलाया गया था। पीएम रिर्पोट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि महेश अहिरवार की हत्या की गई है या फिर अन्य कोई कारण है।

बाल्मीक चौबे,
थाना प्रभारी बमीठा

बकस्वाहा में एम्बुलेंस व्यवस्था फेल, घायल को निजी वाहन से भेजना पड़ा जिला अस्पताल

बक्स्वाहा। बकस्वाहा क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। एक हादसे में घायल व्यक्ति को समय पर एम्बुलेंस नहीं मिल सकी, जिसके कारण परिजनों और स्थानीय लोगों को उसे निजी वाहन से जिला अस्पताल ले जाना पड़ा। बताया जा रहा है कि घटना की सूचना देने के बावजूद एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंची, जिससे घायल की हालत और बिगड़ने का खतरा बना रहा। जानकारी के अनुसार सेमरा सनौदा निवासी 46 वर्षीय माधव लोधी हीरापुरा से बकस्वाहा की ओर आ रहे थे, तभी दुल्हादेव मंदिर के पास एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल माधव लोधी को बकस्वाहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉ. मनीष द्वारा उनका प्राथमिक उपचार किया गया। हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें जिला

अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन इसके बाद जो स्थिति सामने आई, उसने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए। बताया गया कि अस्पताल प्रशासन ने एम्बुलेंस के लिए संपर्क किया, लेकिन करीब तीन घंटे तक इंतजार करने के बावजूद कोई एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी। अंततः परिजनों और स्थानीय लोगों को मजबूर होकर निजी वाहन की व्यवस्था करनी पड़ी और उसी के जरिए घायल को जिला अस्पताल भेजा गया।

छतरपुर हाईवे पर युवक का खतरनाक स्टंट, वीडियो वायरल

छतरपुर जिले के फोरलेन हाइवे पर रफ्तार के साथ जानलेवा स्टंट करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में एक युवक तेज रफ्तार बाइक पर बिना हेलमेट के खतरनाक करतब दिखाते हुए नजर आया। इस दौरान न केवल युवक की अपनी जान जोखिम में थी, बल्कि हाईवे पर चल रहे अन्य राहगीरों के लिए भी यह बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता था। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया के माध्यम से पुलिस प्रशासन तक पहुँचा, यातायात विभाग तत्काल सक्रिय हो गया। युवक बिना सुरक्षा उपकरणों के हाईवे पर जिस तरह से बाइक को अनियंत्रित गति से चला रहा था, उसे देखकर सड़क पर चल

रहे अन्य लोगों में भी दहशत फैल गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए यातायात पुलिस ने युवक की पहचान की और उसे तलब किया। यातायात प्रभारी बृहस्पति साकेत ने बताया कि युवक की इस लापरवाही पर सख्त संज्ञान लेते हुए उस पर नियम अनुसार चालानी कार्रवाई की गई है। अनोखी पहल करते हुए पुलिस ने युवक से एक वीडियो भी बनवाया, जिसे उसी के सोशल मीडिया हैंडल से साझा करवाया गया। इस वीडियो में युवक ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए अन्य युवाओं से अपील की है कि वे इस तरह के खतरनाक स्टंट न करें, क्योंकि यह जानलेवा साबित हो सकते हैं।

शादी से लौटते समय दारू पार्टी के बाद हादसा अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन युवक गंभीर घायल

छतरपुर। जिले के गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां शादी समारोह से लौट रहे तीन युवकों की बाइक को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार निवारी गांव निवासी मोनू अहिरवार (23), राहुल अहिरवार (23) और मनोज रैकवार (25) उत्तर प्रदेश के श्रीनगर में एक विवाह कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। बताया जा रहा है कि शादी समारोह के दौरान तीनों ने शराब का सेवन किया और देर रात बाइक से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान ऊजरा के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। घायल मोनू अहिरवार ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक मौके पर ही बेहोश हो गए। उन्होंने यह भी बताया कि राहुल अहिरवार की 28 अप्रैल को बारात जानी थी और वे उसी सिलसिले में शादी में शामिल होने गए थे। जहां एक ओर शादी की खुशियां थीं, वहीं इस हादसे ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया है। घटना की सूचना मिलते ही राहगीरों ने तुरंत एंबुलेंस को बुलाया,

जिसके बाद तीनों घायलों को जिला अस्पताल छतरपुर में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार तीनों के हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई हैं और उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

मानवता की मिसाल

सड़े पैर का जमीन पर ही ऑपरेशन कर डॉक्टर-कंपाउंडर ने बचाई वृद्ध महिला की जान

छतरपुर। जिला अस्पताल में मानवता और सेवा का एक ऐसा उदाहरण सामने आया है, जिसने हर किसी को भावुक कर दिया। यहां एक अज्ञात मानसिक रूप से अस्वस्थ वृद्ध महिला पिछले तीन दिनों से अस्पताल परिसर में लावारिस हालत में पड़ी थी। उसके पैर का अंगूठा पूरी तरह सड़ चुका था और उसमें कीड़े पड़ जाने से तेज बदबू फैल रही थी, जिसके कारण लोग उसके पास जाने से भी बच रहे थे। स्थिति बेहद गंभीर थी और महिला की जान को खतरा बना हुआ था।इसी बीच जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ. मनोज चौधरी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए महिला के इलाज की जिम्मेदारी उठाई। उनके मार्गदर्शन में कंपाउंडर दिनेश मिश्रा ने लगातार महिला के घाव की सफाई शुरू की और दवा डालकर कीड़े निकालने का काम किया। उन्होंने पूरी निष्ठा से महिला की देखभाल की और इसे अपने जीवन का सौभाग्य बताया। शुक्रवार सुबह जब डॉक्टर महिला को देखने पहुंचे तो उसकी हालत और अधिक नाजुक हो चुकी थी। महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण ऑपरेशन थिएटर जाने को तैयार नहीं थी। ऐसे में डॉ. चौधरी ने बिना समय गंवाए तीसरी मंजिल पर ही जमीन पर लेटी महिला का इलाज शुरू कर दिया। उन्होंने मौके पर ही घाव से कीड़े निकाले और सड़ा हुआ अंगूठा काटकर उसकी जान बचाने का प्रयास किया।

आरोपी पति को आजीवन कारावास 5000 रुपये का जुर्माना

छतरपुर। जिले के बिजावर न्यायालय ने पत्नी की निर्मम हत्या के मामले में आरोपी पति धनीराम पाल को आजीवन कारावास और 5000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। यह फैसला प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश, बिजावर द्वारा सुनाया गया, जिसमें अदालत ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी पाया।

अभियोजन के अनुसार, फरियादी सुरेंद्र पाल ने थाना भगवां में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बहन जयबाई पाल, जिसकी शादी धनीराम पाल से हुई थी, पिछले एक महीने से मायके ग्राम मथानीखेरा में रह रही थी। 8 सितंबर 2023 को आरोपी अपनी पत्नी को लेने ससुराल पहुंचा, लेकिन परिवार द्वारा उसे कुछ दिन बाद भेजने की बात कहे जाने पर वह वहीं रुक गया। अगले दिन 9 सितंबर को दोपहर के समय जब फरियादी घर लौटा तो उसने घर के अंदर गाली-गलौच की आवाज सुनी। दूसरे दरवाजे से अंदर जाने पर उसने देखा कि आरोपी धनीराम पाल ने गुस्से में आकर आंगन में रखी कुल्हाड़ी से उसकी बहन के सिर पर वार कर दिया, जिससे गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के दौरान फरियादी की पत्नी और गांव का एक अन्य व्यक्ति भी मौके पर पहुंच गए थे, लेकिन आरोपी उन्हें धक्का देकर फरार हो गया। घटना की सूचना पर थाना भगवां पुलिस ने मर्ग कायम कर धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे सनसनीखेज श्रेणी में रखा गया। जांच पूर्ण होने के बाद पुलिस ने न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने सभी आवश्यक साक्ष्य और गवाह पेश किए, जिसके आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इस मामले में अभियोजन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक बी.डी. शुक्ला द्वारा की गई, जबकि पूरे प्रकरण की विवेचना निरीक्षक रामस्वरूप उपाध्याय ने की।

कैंडी गांव में बढ़ती घटनाओं पर एसपी का दौरा, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के निर्देश

छतरपुर। जिले के ग्राम कैंडी में पिछले एक माह के भीतर लगातार आपराधिक घटनाओं के सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में आज छतरपुर एसपी द्वारा गांव का भ्रमण कर हालात का जायजा लिया गया और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए गए।

गौरतलब है कि हाल ही में गांव में मां-बेटी पर धारदार हथियार से हमला किए जाने की गंभीर घटना सामने आई थी। इसके अलावा एक पक्के मकान की दीवार तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया, वहीं मारपीट के भी दो मामले दर्ज किए गए हैं। इन घटनाओं से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।

एसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अवैध शराब के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांवों में बढ़ते अपराध जैसे चोरी, डकैती, अवैध शराब का कारोबार, जमीनी विवाद और महिला अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार गश्त बढ़ा रही है और गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद कर रही है।

पुलिस प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें महिला सुरक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पुलिसकर्मी नियमित रूप से गांवों में जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है।

इसके साथ ही कांस्टेबल और हेड कांस्टेबल को हर सप्ताह अपने-अपने आवंटित गांवों का दौरा करने की जिम्मेदारी दी गई है, ताकि अपराधों पर नियंत्रण पाया जा सके। पुलिस द्वारा अपराध संभावित हॉटस्पॉट क्षेत्रों की पहचान कर वहां 'डायल 112' की प्रतिक्रिया समय को भी कम किया जा रहा है, जिससे आपात स्थिति में त्वरित मदद पहुंच सके।

खबर संक्षेप

नगर निगम कमिश्नर अक्षत जैन के ग्रहण करने पर व्यापारी संघ ने प्रसन्नता व्यक्त की

रीवा । नगर पालिक निगम रीवा के नवागत कमिश्नर अक्षत जैन का युवा व्यापारियों द्वारा पुष्पगुच्छ से स्वागत अभिनंदन किया गया 1 व्यापारियों ने कहा कि नगर निगम आयुक्त अक्षत जैन सहज सरल एवं मिलनसार अधिकारी है श्री जैन के आ जाने से रीवा नगर के जन मानस को सड़क पानी नाली जैसी मूलभूत सुविधा सरलता से मिल पाएगी

महापौर ने वार्ड 16 के दरोगा को लगाई फटकार

रीवा। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर नगर निगम प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। महापौर अजय मिश्रा बाबा ने निगम सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में स्पष्ट कहा कि सफाई व्यवस्था का असर जमीनी स्तर पर दिखाई देना चाहिए, केवल कागजी कार्यवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शहर की प्रत्येक गली-मोहल्ले में नियमित और प्रभावी सफाई सुनिश्चित की जाए।बैठक के दौरान महापौर ने वार्ड क्रमांक 16 के दरोगा को स्वच्छता कार्य में लापरवाही बरतने पर कड़ी फटकार लगाई और नालियों की नियमित सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता निरीक्षक प्रतिदिन अपने-अपने जोन का भ्रमण करें और व्यवस्थाओं की निगरानी करते हुए कमियों को तत्काल दूर कराएं। महापौर ने स्पष्ट किया कि सफाई मित्र, वार्ड दरोगा, स्वच्छता निरीक्षक एवं स्वास्थ्य अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। यदि किसी स्तर पर समस्या आती है तो उसे निर्धारित प्रक्रिया के तहत तत्काल उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाए, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके। साथ ही जिन वार्डों में हाथठेले क्षतिग्रस्त हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र सुधार कराने और संसाधनों की कमी होने पर जल्द निविदा जारी करने के निर्देश दिए गए। महापौर ने वार्ड दरोगाओं से वन-टू-वन चर्चा कर फील्ड स्तर की समस्याओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी वार्डों में दल बनाकर संपूर्ण सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और कहा कि जो सफाई कर्मचारी नियमित रूप से कार्यस्थल पर उपस्थित नहीं होते, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। इसके अलावा मानस भवन के पास स्थित ट्रांसफर स्टेशन को बरसात से पूर्व सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कर शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए। महापौर ने इंडिपेंडेंट इंजीनियर को कार्य में लापरवाही पर कड़ी चेतावनी देते हुए निगरानी में तेजी लाने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि शहर का कचरा प्लांट तक पहुंचने पर उसकी जांच सुनिश्चित की जाए और पुनः लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कंपनी का अनुबंध समाप्त किया जा सकता है।कचरा उठाव में लापरवाही को लेकर रैमकी कंपनी पर नाराजगी जताते हुए पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही कंपनी को निर्देशित किया गया कि बीडब्ल्यूजी संस्थानों का कचरा वार्डों के डोर-टू-डोर कलेक्शन कार्य पूर्ण होने के बाद, दोपहर 12 बजे के पश्चात उठाया जाए, ताकि नियमित सफाई व्यवस्था प्रभावित न हो।बैठक में एमआईसी सदस्य श्लाल गुलाम अहमद, कार्यपालन यंत्री एवं एसबीएम नोडल अधिकारी सिद्धार्थ सिंह, सहायक यंत्री राजेश मिश्रा, स्वास्थ्य अधिकारी मुरारी कुमार, एसबीएम सहायक नोडल अधिकारी अपूर्वा चतुर्वेदी, स्वच्छता निरीक्षक, रैमकी कंपनी एवं आईईसी टीम के प्रतिनिधि, वार्ड दरोगा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के दौड़ रहीं निजी एंबुलेंस नहीं है जीवन रक्षक यंत्र, लुट रहे मरीज और उनके परिजन

रीवा।

जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा के नाम पर 200 से ज्यादा निजी एंबुलेंस दौड़ रहीं हैं। वैन और सवारी वाहनों की शक्ल वाली इन अधिकांश एंबुलेंस में तय मानकों के अनुसार न तो मरीजों के लिए जरूरी सुविधाएं व संसाधन है, न ही हाईकोर्ट के सख्त आदेश के बावजूद इनमें हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेटें लगी हैं। सरकारी अस्पतालों के इर्द-गिर्द जमावड़ा बनाए रखने वाले एंबुलेंस चालकों व संचालकों पर आरोप लग रहे हैं कि वे मरीजों से भारी-भरकम रकम ऐंठकर उन्हें अपना शिकार बनाते हैं। इतना ही नहीं, बाहरी मरीजों को अपने पसंद के निजी अस्पतालों में भर्ती कराते हैं, जिसके एवज में उन्हें अच्छा खासा कमीशन मिलता है। यह एंबुलेंस तय मानकों के अनुसार चल रहीं हैं कि नहीं, इनमें लगे सुरक्षा संसाधनों का ऑडिट कब-कब हुआ, इसकी जांच करने व जानकारी देने वाला भी कोई नहीं है। बता दे रीवा में कितनी निजी एंबुलेंस हैं, कितने संचालक चालक सक्रिय हैं, क्या अन्य जिलों की एंबुलेंस भी यहां परिचालन में हैं? आदि-आदि से संबंधित कोई भी डेटा जिले के स्वास्थ्य विभाग और परिवहन विभाग के पास नहीं है। इन निजी एंबुलेंस में नियमानुसार सुविधाएं स्थापित है कि नहीं, इसकी जांच तक नहीं हो रही है। निजी अस्पतालों के एजेंट के रूप में एंबुलेस के चालक संचालक सरकारी अस्पतालों में डेरा डाले रहते हैं।ऑक्सीजन किट का ऑडिट जरूरीस्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार ऑक्सीजन किट का ऑडिट हर महीने करना चाहिए, जिसमें ऑक्सीजन सिलेंडर, रेगुलेटर और मास्क की जांच की जानी चाहिए। किट का विस्तृत ऑडिट हर 6 महीने करना जरूरी है। जिसमें ऑक्सीजन सिलिंडर, रेगुलेटर और मास्क की विस्तृत जांच की जानी चाहिए। इसी तरह वार्षिक ऑडिट में ऑक्सीजन सिलिंडर, रेगुलेटर और मास्क की विस्तृत जांच कर यह देखा जाना चाहिए कि इसमें मरम्मत या बदलाव की जरूरत तो नहीं है।सुविधाओं की हकीकत यहसरकारी स्तर की 108 एंबुलेंस सेवा के मुकाबले निजी एंबुलेंस में सुविधाएं संसाधन एक चौथाई भी नहीं हैं। इनमें सिर्फ एक-दो मिनी मीडियम साइज ऑक्सीजन सिलिंडर, रेगुलेटर, फर्स्ट बॉक्स, स्ट्रेचर ही शामिल है। डेफिब्रिलेटर, कॉर्डियक मॉनिटर जैसे उपकरण न के बराबर है। वहीं उपलब्ध सुविधाओं का ऑडिट करने के अलावा पॉल्युशन सर्टिफिकेट तो अधिकांश के पास नहीं हैं। कंडम वाहन तक एंबुलेंस के रूप में चल रहे हैं। खास बात ये भी है कि इनमें हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट तक नहीं लगवाई गई हैं।यह होनी चाहिए सुविधाएंएंबुलेस में ऑक्सीजन किट होना अनिवार्य है, जिसमें ऑक्सीजन सिलिंडर, रेगुलेटर, मास्क शामिल हो।एंबुलेंस में प्राथमिक चिकित्सा किट होना अनिवार्य है, जिसमें बैंडेज, गोज, एंटीसेप्टिक क्रीम और अन्य आवश्यक समग्री शमिल हो। एंबुलेस में कार्डियक मौक्टिर होना अनिवार्य है जो मरीज के दिल की धड़कन और रक्तचाप की निगरानी करने में मदद करता है। एंबुलेंस में डेफिब्रिलेटर होना अनिवार्य है, जो मरीज के दिल को सामान्य धड़कन में लाने में मदद करता है। एंबुलेंस में स्ट्रेचर होना अनिवार्य है जो मरीज को सुरक्षित रूप से एंबुलेंस में ले जाने में मदद करता है। एंबुलेंस में फस्ट एड बॉक्स होना अनिवार्य है जिसमें आवश्यक दवाएं और सामग्री हामिल हो।एंबुलेस में संचार उपकरण जैसे कि मोबइल फोन, रेडियो आदि होना अनिवार्य है जो एंबुलेंस को अस्पताल और अन्य आपातकालीन सेवाओं से संपर्क में रखने में मदद करते हैं।

तीन के बैठाने की क्षमता 9 से अधिक बैठा रहे, ऑटो, ई-रिक्शा में सवारियों का नहीं निर्धारण

रीवा। शहर में चलने वाले ऑटो, ई-रिक्शा में सवारियां भरने का कोई निर्धारण नहीं है। अधिकतर ऑटो व ई-रिक्शा में क्षमता से अधिक सवारियां भरी जाती हैं। तीन सवारी बैठाने की क्षमता है लेकिन उसमें 9 सवारियां भरी जाती हैं। बावजूद इसके ऑटो को बीच सड़क पर खड़ा कर सवारियों को पुकारने लगते हैं, जिससे रास्ता तो जाम होता है ऑटों को भी टक्कर लगने की आशंका बनी रहती है. जिससे ऑटो में सवार लोगों की जान को खतरा बना रहता है। ऑटो में सवारियों के बैठने की सीट के अलावा चालक के पीछे लगे पाइप पर पतली सी सीटें बनवा दी गई हैं, जितनी सवारियां सीट पर बैठाई जाना है उससे अधिक बैठाई जाती हैं, इतनी ही सवारियां चालक के पीछे लगे पाइप में बनी सीट पर भी बैठाई जाती है, चालक के दोनों ओर दो-दो सवारियां लटकाई जाती हैं, शहर में चलने वाले ऑटो में से हर तीसरे ऑटो में इस प्रकार सवारियों की ओवरलोडिंग सहजता से देखी जा सकती है, इतनी सवारियां भरने के बाद भी चालक का पेट नहीं भरता और भी सवारियों को तलाशता चलता है, और सवारियां मिल जाने पर ऑटो के पीछे जहां सामान रखने की जगह होती है वहां पर भी सवारियां भर ली जाती हैं, कुछ ऑटो चालकों ने सामान भरने वाली जगह पर भी सवारियों को बैठाए जाने की व्यवस्था कर रखी है। ऑटो के साथ ही अन्य वाहनों में सवारियों का निर्धारण है, क्षमता से अधिक सवारियां पाई जाने पर उनमें कार्रवाई की जाती है, लेकिन शहर में चलने वाले ओवरलोड ऑटो बेखौफ दौड़ रहे हैं, जिन पर न तो परिवहन विभाग न ही यातायात विभाग कार्रवाई कर रहा है।

महापौर का कड़ा रुख वार्ड 16 में बदहाली देख भड़के अजय मिश्रा लापरवाही पर अधिकारियों को दी नाली में घुसेड़ने की चेतावनी

रीवा। नगर निगम रीवा के महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' अपने तेवर और जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के लिए जाने जाते हैं।इसी कड़ी में वार्ड क्रमांक 16 के निवासियों द्वारा लगातार मिल रही शिकायतों का संज्ञान लेते हुए महापौर अपनी पूरी टीम के साथ औचक निरीक्षण करने पहुंचे।वहां जलभराव,गंदगी और पेयजल की विकराल समस्या को देखकर महापौर का पारा चढ़ गया और उन्होंने मौके से ही फोन पर जिम्मेदार अधिकारियों की जमकर क्लास लगाई।*निरीक्षण के दौरान मिली भारी अव्यवस्था*वार्ड 16 पहुंचे महापौर ने देखा कि नालियां पूरी तरह से चोक हैं और गंदगी सड़कों पर बह रही है।स्थानीय निवासियों ने शिकायत की कि उन्हें न तो स्वच्छ पेयजल मिल रहा है और न ही सफाई कर्मी नियमित रूप से आते हैं।पेयजल पाइपलाइनों में लीकेज और नालियों की बदबू से क्षेत्रवासी नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। फोन पर लगाई फटकार सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल वार्ड की बदहाली को देख महापौर अजय मिश्रा बाबा अपना आपा खो बैठे।उन्होंने तत्काल संबंधित विभागीय अधिकारियों को फोन लगाया और कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि अगर जनता की सेवा नहीं कर सकते तो कुर्सी छोड़ दो। गुस्से में उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर काम ठीक नहीं हुआ तो तुमको इसी नाली में घुसेड़ देंगे।महापौर का यह तल्ख अंदाज वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने मोबाइल में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जनहित सर्वोपरि महापौर का स्पष्ट संदेश*निरीक्षण के बाद मीडिया से बात करते हुए महापौर ने स्पष्ट किया कि नगर निगम प्रशासन जनता के प्रति जवाबदेह है।उन्होंने कहा कि फंड की कोई कमी नहीं है,लेकिन अधिकारियों की लापरवाही और मॉनिटरिंग के अभाव के कारण वार्डवासी परेशान हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर नालियों की सफाई और पेयजल आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ आगे के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों एवं अधिकारी होंगे।स्थानीय निवासियों में खुशी की लहर महापौर के इस कड़े रुख और तत्काल संज्ञान लेने की प्रक्रिया से वार्ड 16 के निवासियों में संतोष देखा जा रहा है।लोगों का कहना है कि लंबे समय बाद किसी जनप्रतिनिधि ने जमीनी स्तर पर आकर उनकी सुध ली है और अधिकारियों को उनकी जवाबदेही का अहसास कराया है।

श्रम आयुक्त ने पाँच प्रकरणों को सुनवाई के लिए श्रम न्यायालय भेजा रीवा जिले के आवेदकों की रीवा श्रम न्यायालय में होगी सुनवाई

रीवा। रीवा जिले के 5 आवेदकों द्वारा उनके नियोजकों के विरूद्ध प्रकरण श्रम आयुक्त कार्यालय इंदौर में दर्ज किए गए थे। श्रम आयुक्त ने अलग-अलग आदेश जारी कर सभी प्रकरणों की सुनवाई श्रम न्यायालय रीवा में करने के लिए निर्दिष्ट किया है। उन्होंने कहा है कि औद्योगिक संबंध मुख्यालय औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 14 की उपधारा 10 में प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए प्रकरणों में कार्यवाही की गई है। अधिनियम की धारा 7 के तहत गठित श्रम न्यायालय रीवा को इन प्रकरणों की सुनवाई के लिए अधिकृत किया जा रहा है। इन प्रकरणों में आवेदक करण सिंह परिहार पिता सूर्यबली सिंह परिहार विरूद्ध अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड बेला, आवेदिका सानू यादव पिता भैयालाल यादव विरूद्ध हिन्दुस्तान फील्ड सर्विस प्राइवेट लिमिटेड ज्वाइंट वेंचर ऑफ ग्लोबल स्मालेन होल्डिंग एण्ड हिन्दुस्तान यूनिवर लिमिटेड मुम्बई शामिल हैं। श्रम आयुक्त ने आवेदक बृजभूषण अग्निहोत्री पिता कुमुदेश्वर प्रसाद

अग्निहोत्री विरूद्ध प्रबंध संचालक अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड बेला तथा आवेदक जितेन्द्र मिश्रा पिता देवदत्त एवं चार अन्य श्रमिकगण विरूद्ध प्रबंधक एजाइल सिक्योरिटी सर्विस बंजारा हिल्स हैदराबाद एवं प्राचार्य फूड क्राफ्ट संस्थान रतहरा रीवा शामिल हैं। जारी आदेश में आवेदक सुनील कुमार द्विवेदी पिता रामगरीब द्विवेदी विरूद्ध प्रबंधक मेसर्स इंडियन कंस्ट्रक्शन कंपनी रीवा तथा महाप्रबंधक अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड बेला के प्रकरण श्रम न्यायालय में सुनवाई के लिए निर्दिष्ट किया है। श्रम न्यायालय द्वारा इन प्रकरणों में सुनवाई करके इनके सेवा पृथक्करण की वैधता का निर्धारण किया जाएगा।24/04/2026, 8:16pm - गुड्डू निगम रीवाः उप मुख्यमंत्री ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री से की सौजन्य भेंट रीवा । उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल के भोपाल स्थित निवास में सौजन्य भेंट की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्री श्री पटेल को उनके पुत्र प्रबल पटेल की सगाई की शुभकामनाएं दीं और नवयुगल के उज्जवल भविष्य की कामना की।

दूषित पानी की शिकायत पर ननि आयुक्त ने वार्ड 16 आजाद नगर में किया निरीक्षण, त्वरित कार्रवाई करते हुए स्थिति सुधार के दिए निर्देश

रीवा। वार्ड क्रमांक 16 आजाद नगर में दूषित पानी की शिकायत मिलने पर नगर निगम आयुक्त अक्षत जैन ने क्षेत्र का स्थल निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों से समस्या के कारणों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने निगम आयुक्त को अवगत कराया कि क्षेत्र में कुछ स्थानों पर बोरवेल एवं पाइपलाइन के आसपास गंदगी तथा जल निकासी संबंधी समस्याओं के कारण पानी

दूषित होने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। साथ ही कुछ स्थानों पर नालियों एवं मैनहोल की स्थिति भी संतोषजनक नहीं थी, जिसे निगम सुधारने के लिए तत्काल कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। निगम आयुक्त जैन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिए कि सभी बोरवेल की व्यवस्थित जांच कर प्रत्येक स्थान से पानी के सैंपल लिए जाएं तथा उनकी गुणवत्ता की जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित की जाए। आयुक्त ने यह भी निर्देशित किया कि केके नर्सिंग होम के आसपास क्षेत्र में चलाकर सभी मैनहोल एवं नालियों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए और जल निकासी व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त किया जाए। इसके साथ ही निगम आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन घरों के बोरवेल नालियों में बने हुए हैं, वे आगामी 10 दिवस के भीतर उन्हें बंद कर अपने घर के अंदर व्यवस्थित रूप से स्थापित करें, ताकि दूषित जल की समस्या दोबारा उत्पन्न न हो। साथ ही नागरिकों से अपील की गई कि जिनके बोरवेल की केसिंग काफी पुरानी हो चुकी है, वे उसे समय पर बदलवाएं, क्योंकि पुरानी केसिंग के गलने से उसमें लीकेज हो जाता है, जिससे दूषित पानी मिलने की संभावना बढ़ जाती है। अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि शिकायत प्राप्त होते ही निगम द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए सफाई एवं सुधार कार्य प्रारंभ कर दिया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आने लगे हैं और स्थिति में निरंतर सुधार हो रहा है। निगम आयुक्त अक्षत जैन ने निर्देशित किया कि समस्या के स्थायी समाधान के लिए नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा नागरिकों से सतत संवाद एवं फीडबैक लेकर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जाए। इस दौरान कार्यपालन यंत्री सिद्धार्थ सिंह, सहायक यंत्री राजेश मिश्रा के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षाः परीक्षार्थियों के लिए त्रिस्तरीय जांच प्रक्रिया अनिवार्य, 90 मिनट पूर्व पहुंचना होगा केंद्र

रीवा । मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आगामी 26 अप्रैल को आयोजित होने वाली राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 के सफल संचालन के लिए तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

इस संबंध में डिप्टी कलेक्टर एवं परीक्षा प्रभारी अधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए आयोग के निर्देशानुसार परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश हेतु एक नवीन त्रिस्तरीय जांच प्रक्रिया लागू की गई है, जिसके तहत परीक्षार्थियों का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग और एचएचएमडी के माध्यम से गहन तलाशी ली जाएगी। जिला प्रशासन ने इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम 90 मिनट पूर्व केंद्र पर उपस्थित होना अनिवार्य होगा ताकि समय पर जांच प्रक्रिया पूर्ण की जा सकेप्रशासनिक निर्देशों के अनुसार परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार पर ही अनुमति एवं वर्जित वस्तुओं की सूची चस्पा की जाएगी जिसका कड़ाई से पालन करना प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए अनिवार्य है। सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए दोनों सत्रों में फ्रिस्किंग (जांच) की प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जिसमें पुरुष अभ्यर्थियों की जांच पुरुष वीक्षकों द्वारा तथा महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला वीक्षकों द्वारा पृथक केबिन में की जाएगी। इसके अतिरिक्त, ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों को यह विकल्प दिया गया है कि वे अपनी सुविधा अनुसार महिला अथवा पुरुष कर्मचारी से अपनी जांच करवा सकते हैं। परीक्षा कक्ष में प्रवेश की अनुमति केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को दी जाएगी जो इस त्रि-स्तरीय जांच प्रक्रिया से गुजरेंगे। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए यह भी स्पष्ट किया गया है कि वे अपने साथ केवल बॉलपेन, एक पारदर्शी पानी की बोतल, ई-प्रवेश पत्र और अपना मूल पहचान पत्र ही ले जा सकेंगे।

कलेक्टर ने आदिसरई में महादेवन मंदिर स्थल का किया निरीक्षण

मऊगंज। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने गत दिवस ग्राम पंचायत गढ़वा के ग्राम आदिसरई में महादेवन मंदिर व कुंड स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इस स्थल की विशेष धार्मिक मान्यता है। इसे पर्यटक स्थल के तौर पर विकसित किया जायेगा। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को तत्संबंध में कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत गढ़वा के ग्राम आदिसरई में स्थित महादेवन मंदिर के कुंड की मान्यता है यहां लोग श्रावण महीने में भगवान शिव को जलाभिषेक करने आते हैं श्रावण माह में यहां मेला भी लगता है। मान्यता यह भी है कि एक नाग देवता भगवान का सर्वप्रथम दर्शन करने आते थे सुबह-सुबह जब लोग यहां आते है तो उन नाग देवता का दर्शन भी होते है, एक और विचित्र बात है कि कुंड में होने के बावजूद शिवलिंग बरसात में ढक तो जाते है लेकिन डूबते कभी नहीं। अत्यधिक बारिश में भी शिवलिंग को कोई नुकसान नही हुआ। यहां वर्ष में 12 महीने शिवलिंग के ऊपर बूंद बूंद पानी टपकता रहता है, स्थानीयजनों के साथ मऊगंज, सीधी एवं रीवा जिले के लोगों की कुंड व मंदिर स्थल पर विशेष आस्था है।

अक्षय तृतीया पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

संयुक्त टीम ने रुकवाया बाल विवाह, बच्ची का भविष्य हुआ सुरक्षित

मऊगंज। कलेक्टर संजय कुमार जैन के निर्देशन में जिले में बाल विवाह के खिलाफ सख्त और निरंतर कार्रवाई जारी है। महिला एवं बाल विकास, पुलिस एवं जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन की सहयोगी संस्था अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त प्रयासों से अक्षय तृतीया के अवसर पर एक बाल विवाह को समय रहते रुकवाया गया। अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी को बाल विवाह की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही संस्था ने तत्काल महिला एवं बाल विकास विभाग एवं पुलिस को अवगत कराया। संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई करते हुए विवाह रुकवाया और एक नाबालिग बालिका का भविष्य सुरक्षित किया। कार्रवाई के दौरान जिला समन्वयक सुरेंद्र चतुर्वेदी, आशीष शुक्ला एवं पर्यवेक्षक सुमन शर्मा ने परिजनों से संवाद कर उन्हें बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिका का विवाह कराना दंडनीय अपराध है। समझाइश के बाद परिजन विवाह टालने के लिए सहमत हो गए। मौके पर पंचनामा तैयार कर परिजनों से लिखित आश्वासन लिया गया और बाल विवाह रूक गया। कलेक्टर की अध्यक्षता में बाल विवाह एवं बाल संरक्षण विषयक महत्वपूर्ण बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को सख्त निर्देश दिए गए कि बाल विवाह की रोकथाम हेतु सभी स्तरों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में ग्राम से जिला स्तर तक बाल संरक्षण समितियों को सक्रिय करने, प्रत्येक ग्राम

पंचायत में विवाह पंजी संधारित करने, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका मजबूत करने तथा 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन पर प्राप्त सूचनाओं पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर सामुदायिक स्तर पर जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ प्रशासन पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज की सहभागिता से ही इस कुरीति को जड़ से समाप्त किया जा सकता है। यह कार्रवाई प्रशासन और समाज के समन्वित प्रयास का सशक्त उदाहरण है, जो बाल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

घर से निकलते समय धूप और लू से बचाव के उपाय करें

रीवा

जिले में एक सप्ताह से तेज धूप होने से सुबह 10 बजे से ही गर्म हवाएं चलने लगती हैं। जिसके कारण लू लगने की आशंका बढ़ गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यत्नेश त्रिपाठी ने आमजनों को लू से बचाव की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि लू से बचने के लिए जन सामान्य ज्यादा समय तक घर पर ही रहें। जिले में पिछले एक सप्ताह से तापमान में तेजी से वृद्धि हो रही है।

दिन में 10 बजे के बाद गर्म हवाओं का प्रकोप हो जाता है। आमजन अति आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकले। जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलते समय पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। खाली पेट घर से बाहर न जायें। इससे लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। दिन में कम से कम 12 से 15 गिलास पानी जरूर पियें। लू से बचाव के लिए देशी घरेलू उपाय अपनाएं। बाहर निकलते समय सूती कपड़े से चेहरा और सर ढककर रखें तथा पानी साथ में जरूर रखें। पहनने के लिए सूती कपड़ों का अधिक उपयोग करें। लू से बचने के लिए खरबूज, तरबूज, ककड़ी, खीरा, आदि मौसमी फलों का सेवन करें। बेल, सौफ, पुदीना, धनिया आदि के शर्बत तथा छांछ के उपयोग से भी लू से बचाव होता है। अगर लू के लक्षण जैसे मिचली आने, गला सूखने तथा बुखार का प्रकोप होने पर तत्काल डॉक्टर से संपर्क करके उचित उपचार करायें।